A–0232

Total Pages : 5 **Roll No. .....**

BYN-201

पातंजल योग सूत्र

Examination February, 2026

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

Note* :–** This paper is of Seventy (70) marks divided into Two (02) Sections 'A' and 'B'. Attempt the questions contained in these Sections according to the detailed instructions given therein. ***Candidates should limit their answers to the questions on the given answer sheet. No additional (B) answer sheet will be issued.

नोट : यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

Section–A

(खण्ड–क)

Long Answer Type Questions

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) (2×19=38)

***Note* :–** Section 'A' contains Five (05) Long-answer type questions of Nineteen (19) marks each. Learners are required to answer any *two* (02) questions only.

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. Explain the meaning and definition of Yoga. Also, present a comparative study of different definitions of Yoga.

   योग का अर्थ एवं परिभाषा स्पष्ट कीजिए। साथ ही योग की विभिन्न परिभाषाओं का तुलनात्मक अध्ययन कीजिए।

2. Discuss in detail the nature of Chitta and its levels (Chitta Bhumis).

   चित्त का स्वरूप एवं चित्त भूमिकाओं का विस्तारपूर्वक विवेचन कीजिए।

3. Please elaborate Kleshas and explain their impact on life and the process of their removal.

क्लेशों का विवेचन कीजिए तथा जीवन में उनके प्रभाव एवं निवारण की प्रक्रिया स्पष्ट कीजिए।

4. Discuss the nature, types and utility of Pranayama and Pratyahara in Yoga Sadhana.

प्राणायाम एवं प्रत्याहार का स्वरूप, प्रकार और योग साधना में उनकी उपयोगिता का विवेचन कीजिए।

5. Discuss the concept of Kaivalya. Explain the process of attaining Kaivalya based on the concept of Prakriti and Purusha.

कैवल्य की अवधारणा का विवेचन कीजिए। प्रकृति और पुरुष की अवधारणा के आधार पर कैवल्य प्राप्ति की प्रक्रिया स्पष्ट कीजिए।

Section–B

(खण्ड–ख)

Short Answer Type Questions

(लघु उत्तरीय प्रश्न) (4×8=32)

***Note* :–** Section 'B' contains Eight (08) Short-answer type questions of Eight (08) marks each. Learners are required to answer any *four* (04) questions only.

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. Write about the nature and utility of Yamas and Niyamas.

   यम और नियम का स्वरूप एवं उपयोगिता लिखिए।

2. Explain *Yogantarayas* (Obstacles in Yoga) and the means of purification of *Chitta*.

   योगान्तरायों एवं चित्त प्रसादन के उपायों का विवेचन कीजिए।

3. Explain the importance of *Abhyasa* (Practice) and *Vairagaya* (Detachment) in Yoga Sadhana.

   अभ्यास और वैराग्य का महत्व योग साधना में स्पष्ट कीजिए।

4. Discuss *Dharana, Dhyana* and *Samadhi* in detail.

   धारणा, ध्यान एवं समाधि का विवेचन कीजिए।

5. What are *Vibhutis* ? Describe any *six Vibhutis* ?

   विभूतियाँ क्या हैं ? किन्हीं **छः** विभूतियों का वर्णन करें।

6. According to the Yoga Sutras, Ishwara is described the qualities of lshwara.

   योगसूत्र के अनुसार, ईश्वर के गुणों का वर्णन करें।

7. What is *Chaturvyuhavadal* ? Explain in detail.

चतुर्व्यूहवाद क्या है ? विस्तार से समझाइए।

8. Explain the types of Prakṛti (Dṛśya). Discuss in detail the four divisions Viśeṣa, Aviśeṣa, Liṅga-mātra and Aliṅga - along with their characteristics.

प्रकृति (दृश्य) के भेदों का वर्णन कीजिए। विशेष, अविशेष, लिङ्गमात्र तथा अलिङ्ग-इन चार प्रकारों की विशेषताओं को विस्तारपूर्वक समझाइए।

****